Hiralal Mazumdar Memorial College for Women
LIBRARY
Dakshineswar, Kolkata-35

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Programme 5th Semester Examination, 2022-23

HINGDSE02T-HINDI (DSE1)

तुलसीदास

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) 'रामचरितमानस' में कुल कितने काण्ड हैं ?

(ख) गोस्वामी तुलसीदास के गुरु कौन थे ?

(ग) तुलसीदास की भक्ति किस भाव की है ?

(घ) 'रामचरितमानस' के किस काण्ड में कलि-काल का वर्णन किया गया है ?

(ङ) 'कविता करके तुलसी न लसे, कविता पा लसी तुलसी की कला।'– यह कथन किसका है ?

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15

(क) कृपासिंधु बोले मुसुकाई। सोई करु जेहिं तव नाव न जाई।।
बेगि आनु जलपाय पखारु। होत बिलंबु उतारहि पारु।।
जासु नाम सुमरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।।
सोई कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।।

(ख) राजति राम-जानकी-जोरी।।
स्याम-सरोज जलद सुन्दर बर, दुलहिनि तड़ित-बरन तनु गोरी।
ब्याह समय सोहति बितानतर, उपमा कहुँ न लहति मति मोरी।
मनहुँ मदन मङ्गुल मण्डपमहँ छबि-सिंगार-सोभा इक ठौरी।।

(ग) ऐसी मूढ़ता या मन की।
परिहरि रामभगति-सुरसरिता, आस करत ओसकन की।
धूम समूह निरखि-चातक ज्यौं, तृषित जानि मति घन की।
नहीं तहं सीतलता न बारि, पुनि हानि होति लोचन की।

(घ) "सीता लखन सहित रघुराई। गाँव निकट जब निकसहिं जाई।
सुनि सब बाल बृंद नर नारी। चलहिं तुरत गृहकाजु बिसारी।।
राम लखन सिय रूप निहारी। पाई नयनफलु होईं सुखारी।
सजल बिलोयन पुलक सरीरा। सब भए मगन देखि दोउ बीरा।।
बरनि न जाई दसा तिन्ह केरी। लहि जनु रंकन्ह सुरमनि ढेरी।।"

(ङ) केशव, कहि न जाइ का कहिये।
देखत तव रचना विचित्र अति, समुझि मनहिमन रहिये।
शून्य भीति पर चित्र, रंग नहि तनु बिनु लिखा चितेरे।।
धोये मिटे न मरै भीति, दुख पाइय इति तनु हेरे।
रविकर नीर बसै अति दारुन, मकर रूप तेहि माहीं।
बदन हीन सो ग्रसै चराचर, पान करन जे जाहीं।।

3. रामकाव्य परम्परा में तुलसीदास का स्थान निर्धारित करते हुए उनकी काव्यगत विशेषता पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

तुलसीदास की काव्य-भाषा पर विचार कीजिए।

4. "तुलसीदास का सम्पूर्ण काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है।"– इस कथन की विवेचना कीजिए। 15

अथवा

तुलसीदास की भक्ति-भावना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

——×——